E-Content-3

B.Ed. – II year
Sub. – Environmental Education
Code – E-503
Unit – I
Topic – Environment Education

Kumud Rani
Assist. Prof.,
Dept. of B.Ed.
D.M. College, Moga

Meaning of Environment Education :– पर्यावरण मानव और मानव पर्यावरण को प्रभावित करते हैं, अर्थात् एक-दूसरे के बिना दोनों का ही अस्तित्व नहीं है। इसलिए पर्यावरण शिक्षा वह शिक्षा है जिसके द्वारा मनुष्य पर्यावरण के विषय में सीखता है।

पर्यावरण शिक्षा एक सामान्य शिक्षा नहीं बल्कि पर्यावरण की समस्याओं, उनके निदान, हल और सम्भावित बचाव सम्बंधी जानकारी प्राप्त करने की शिक्षा है। पर्यावरण शिक्षा मानवीयता का बोध कराने वाली शिक्षा है। इससे व्यक्ति प्रकृति एवं समाज के प्रति अपने दायित्वों का बोध करते हुए पर्यावरण में सुधार के लिए प्रेरणा प्राप्त करता है।

Definitions of Environment Education :-

According to S.V. Chittibabu – "शिक्षा और पर्यावरण के बीच संक्रिया 'पर्यावरण शिक्षा' को जन्म देती है।"

"The interaction between Education & Environment leads to (Environmental Education."

According to Nevada Conference, 1970 :– "Environmental Education is the process of recognizing values in clarifying concept into develop skills and attitudes, necessary to understand the interrelatedness among man, his culture and Biophysical surroundings."

"पर्यावरणीय शिक्षा मूल्यों को मान्यता देने तथा अवधारणाओं को स्पष्ट करने वाली प्रक्रिया है, जिससे लोगों में उन अभिवृत्तियों एवं कौशलों का विकास हो सके जो मानव और उसके आस-पास के जैविक तथा सांस्कृतिक पर्यावरण में अन्तर्सम्बन्धों को समझने के लिए आवश्यक है।"

पर्यावरण शिक्षा की प्रकृति (Nature of Environmental Education):-

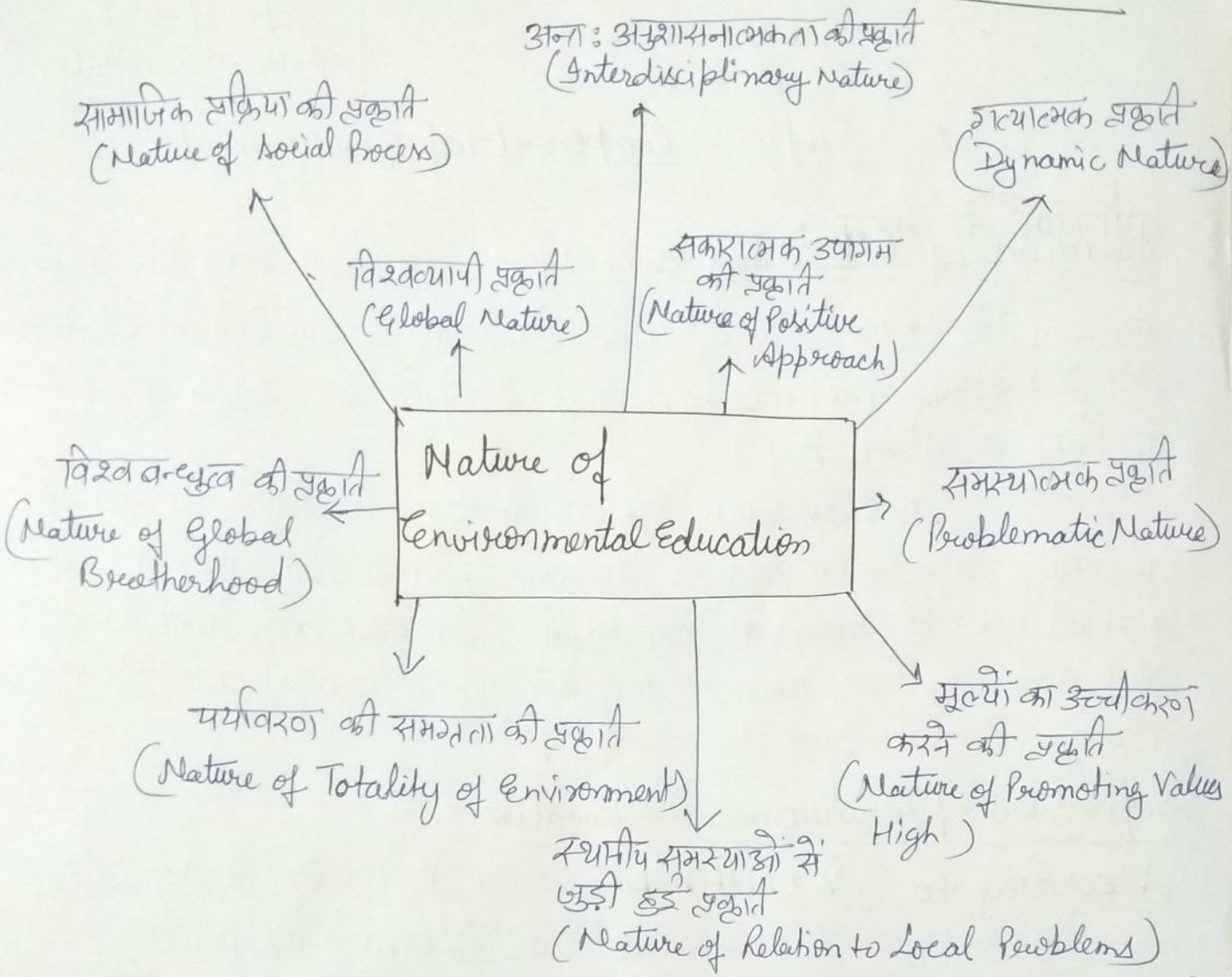

पर्यावरण शिक्षा के उद्देश्य (objectives of Environmental Education)

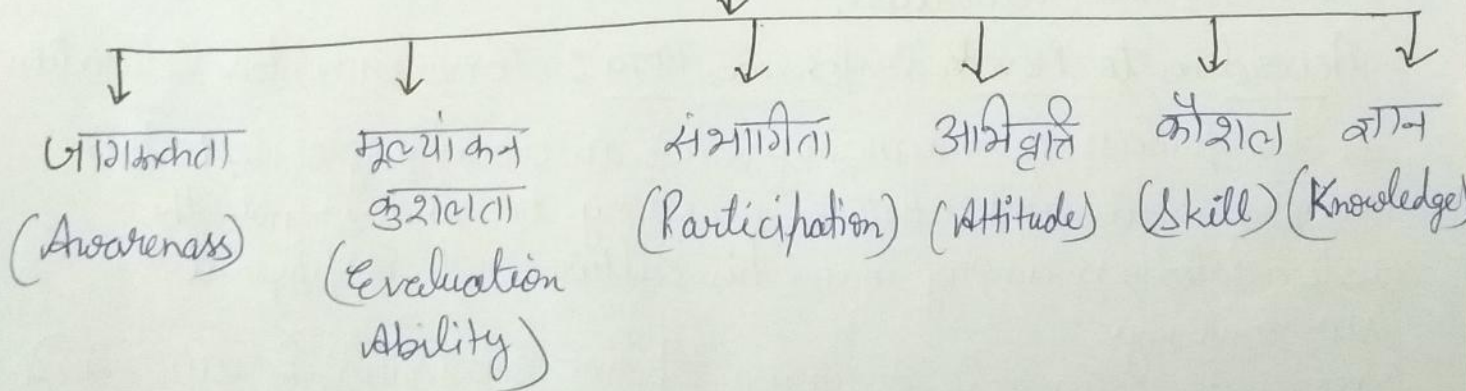

पर्यावरण शिक्षा की विशेषताएँ (Characteristics of Environment Education)

(i) पर्यावरण शिक्षा निरन्तर परिवर्तनशील है। इसमें नए आयाम तथा व्याख्याएँ शामिल होती रहती है।
(ii) पर्यावरण शिक्षा में विभिन्न प्रकार की विषय सामग्री सम्मिलित होती है।
(iii) पर्यावरण शिक्षा का सम्बंध पर्यावरणीय समस्याओं तथा प्रक्रियाओं से है।
(iv) पर्यावरण शिक्षा में भौतिक तथा सामाजिक-सांस्कृतिक दोनों ही पर्यावरण सन्निहित होते है।
(v) पर्यावरण शिक्षा सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का कार्य करती है।
(vi) पर्यावरणीय शिक्षा मानवीय दायित्वों का बोध कराती है।
(vii) पर्यावरण शिक्षा समस्या समाधान की योग्यता का विकास करती है।

पर्यावरण शिक्षा की आवश्यकता तथा महत्व (Need & Importance of Environmental Edu.)

महत्व :-

(i) लोगों को पर्यावरण की सत्य और तथ्यात्मक जानकारी देना।
(ii) जानकारी के आधार पर सम्भावित कारणों का पता लगाना।
(iii) समस्याओं के हल खोजना।
(iv) समस्याओं को समझने और उनसे निपटने अथवा हल खोजने हेतु मनुष्य को तैयार करना।
(v) पर्यावरण संरक्षण, सुरक्षा और सुधार के कार्यों में लग जाने हेतु प्रेरित करना।
(vi) भावी पीढ़ी के भविष्य को समझकर ही कार्यों को करने की समझ देना।
(vii) स्वयं सुखी जिए और दूसरे प्राणी को भी सुख से जीने दे, वाली भावना को आत्मसात करने को तैयार करना।

आवश्यकता —

(i) जागरूकता उत्पन्न करने के लिए।
(ii) संतुलित औद्योगिक विकास के लिए।
(iii) जनसंख्या नियंत्रण के लिए।
(iv) प्रदूषणों से अवगत कराने तथा संरक्षण के लिए।
(v) अनुसंधान एवं सूचनाओं के आदान-प्रदान को प्रोत्साहन देने हेतु।